

दैनिक जागरण

PAGE NO : IV MIDDLE

पिता और पुत्र के बदलते रिश्ते दर्शाता 'साइकिल आफ लाइफ'

बरेली: एसआरएमएस रिद्धिमा के सभागार में रविवार शाम नाटक 'साइकिल आफ लाइफ' का मंचन हुआ। गिन्नी बब्बर निर्देशित और अनुदित, पैनोरामिक बिजुअल्स दिल्ली की इस प्रस्तुति में कलाकारों ने पिता-पुत्र के बदलते रिश्ते, पोटियों के अंतर और जीवन के संघर्षों को सहज और प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया।

नाटक की शुरुआत में पिता और बेटे के बीच नोकझोंक होती है, आगे चलकर पिता के निधन के बाद बेटा जीवन में आए बदलाव और माँ की संवेदनशील स्थिति को बेहद मार्मिक ढंग से प्रस्तुत किया गया। नाटक ने संदेश दिया कि जीवन की भागदौड़ में अक्सर हम उन रिश्तों की अहमियत नहीं समझ पाते, जिनका महत्व समय बीतने के बाद महसूस होता है। कलाकारों ने अभिनय से यह अहसास दिलाया कि जीवन में रुकना विकल्प नहीं,



रिद्धिमा में नाटक मंचन करते हुए कलाकार
● सी. आचोण्ण

चाहे रस्ता वहीं क्यों न दोहराया जाए। मंच पर पिता की भूमिका ललित प्रकाश ने, बेटे की भूमिका अविनाश तोमर और माँ की भूमिका ज्योति नागपाल ने निभाई। प्रकाश संयोजन मनु झा ने किया। इस अवसर पर एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक देव मूर्ति, आदित्य मूर्ति, आशा मूर्ति, ऋचा मूर्ति, देविशा मूर्ति, ढया गुप्ता, डा. प्रभाकर गुप्ता आदि उपस्थित रहे। (वि.)